KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

BPSC SYLLABUS

बीपीएससी परीक्षा पाठ्यक्रम

- यह बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित संयुक्त प्रतियोगिता प्रारम्भिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा की अद्यतन संशोधित संरचना एवं पाठ्यक्रम है
- सिविल सेवा परीक्षा सबसे कठिन और विस्तृत परीक्षाओं में से एक है जो उम्मीदवार की जाँच सभी तरह से करता है।
- इसलिए, बिहार लोक सेवा आयोग के परीक्षा के पाठ्यक्रम को समझना और आत्मसात करना जरूरी है जिससे परिणाम उन्मुख तैयारी हो सके।

भाग 1

प्रारंभिक परीक्षा

- प्रारंभिक परीक्षा दो घंटे की होगी, जिसमें सामान्य अध्ययन का एक पेपर 150 (एक सौ पचास) अंकों का होगा। प्रश्न पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में होंगे।
- प्रत्येक प्रश्न जो अभ्यर्थी द्वारा गलत उत्तर दिया गया हे, एक चौथाई (1/4) यानी 0.25 अंक दण्ड स्वरूप घटाया जायेगा।
- अभ्यर्थी द्वारा एक प्रश्न के लिए एक से अधिक उत्तर दिये जाते हैं तो उसे भी गलत उत्तर मानते हुए एक चौथाई (1/4) यानी 0.25 अंक काटा जायेगा।
- प्रारंभिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन पत्र के प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ एवम् बहुविकल्प प्रकार के होंगे।
- उम्मीदवार वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग नहीं कर सकते हैं।
- प्रारंभिक परीक्षा महज जाँच परीक्षा होगी, जिसके आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु उम्मदीवारों का चयन किया जायेगा। इसमें प्राप्त किये गये अंकों का मुख्य परीक्षा से कोई संबंध नहीं होगा। इसमें उत्तीर्णता अनिवार्य होगी और इसके लिए आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हतांक प्राप्त करना होगा। मुख्य परीक्षा के लिए चुने जाने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या रिक्तियों की कुल संख्या का दस गुना होगा।

प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांकों के जोड़ की शुद्धता जाँच कराने का प्रावधान नहीं है

भाग 2

मुख्य परीक्षा - मुख्य परीक्षा के अनिवार्य विषय

विषय कोड	विषय	पूर्णांक	परीक्षा की अवधि
01.	सामान्य हिन्दी	100	3 घंटे
02.	सामान्य अध्ययन - पत्र - 1	300	3 घंटे
03.	सामान्य अध्ययन - पत्र - 2	300	3 घंटे
04.	निबंध	300	3 घंटे
05.	वैकल्पिक विषय (MCQ)	100	3 घंटे

टिप्पणी

- प्रश्न-पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में होंगे।
- सभी भाषोत्तर विषयों के उत्तर हिन्दी अंग्रेजी या उर्दू में से किसी एक ही भाषा में दिये जा सकते हैं। उम्मीदवारों को अन्य भाषा में उत्तर देने की छूट नहीं होगी।
- प्रश्न पत्रों के उत्तर देने का विकल्प लेने वाले उम्मीदवार यदि चाहें तो केवल तकनीकी शब्दों/वाक्यांशो/उद्धृत अंशों का यदि कोई, विवरण का उनके द्वारा चुनी गई भाषा के साथ अंग्रेजी रूपान्तर दे सकते हैं।
- उम्मीदवार को अपने प्रश्न-पत्र के उत्तर स्वयं अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी परिस्थिति में इसके लिए दूसरे से सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

- परीक्षा के सभी विषयों मे कम-से कम शब्दों में की गई संगठित, सूक्ष्म और सशक्त अभिव्यक्ति को श्रेय मिलेगा
- प्रश्न-पत्रों में जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, प्रश्न मीटरी प्रणाली में होगें
- उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9) का ही प्रयोग करें।
- उम्मीदवार यदि चाहें तो मुख्य परीक्षा में कैलकुलेटर का प्रयोग कर सकते हैं। परीक्षा में किसी से कैलकुलेटर माँगने या आपस में बदलने की अनुमति नही है।
- बी.पी.एस.सी के प्रावधानों परीक्षाओं की कट-ऑफ विश्लेषण के हालिया ट्रेंड के अनुसार 64वीं, 65वीं, 66वीं, 67वीं के प्रारंभिक परीक्षाओं के कट-ऑफ क्रमशः 97, 97, 108 एवं 113 रहे हैं।

प्रारंभिक परीक्षा का पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन

इस पत्र में सामान्य अध्ययन के निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित प्रश्न होंगे:-

- सामान्य विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीव-विकास, पर्यावरण व प्रदूषण)
- भारत का इतिहास तथा बिहार के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ।
- सामान्य भूगोल:- बिहार के प्रमुख भौगोलिक प्रभाग तथा यहाँ की महत्वपूर्ण नदियाँ।
- भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था, आजादी बिहार की अर्थव्यवस्था के प्रमुख परिवर्तन।
- भारत का राष्ट्रीय आंदोलन तथा इसमें बिहार का योगदान।
- सामान्य मानसिक योग्यता को जाँचने वाला प्रश्न।

◆ उपर्युक्त विषयों का विवरण

- सामान्य विज्ञान के अन्तर्गत दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से संबंधित विषयों सहित विज्ञान की सामान्य जानकारी तथा परिबोध पर ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है।
- इतिहास के अन्तर्गत विषय के सामाजिक, आर्थिक और राजनितिक परिप्रेक्ष्य में विषय की सामान्य जानकारी पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे बिहार के इतिहास की मुख्य घटनाओं से परिचित होंगे।
- भूगोल विषय में '' भारत तथा बिहार'' के भूगोल पर विशेष ध्यान दिया जायेग। '' भारत तथा बिहार का भूगोल'' के अन्तर्गत देश के सामाजिक तथा आर्थिक भूगोल से संबधित प्रश्न होंगे, जिनमें भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक साधनों की प्रमुख विषेषताएँ सम्मिलित होंगी।
- भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था के अन्तर्गत देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास तथा भारतीय योजना (बिहार के संदर्भ में भी) सम्बन्धी जानकारी का परीक्षण किया जायेगा।

मुख्य परीक्षा

'' भारत के राष्ट्रीय आंदोलन'' के अन्तर्गत उन्नीसवीं शाताब्दी के पुनरूत्थान के स्वरूप और स्वाभाव राष्ट्रीयता का विकास तथा स्वतंत्रता प्राप्ति से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि से भारतीय स्वंतत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका पर पूछे गए प्रश्नों का भी उत्तर दें।

सामान्य हिन्दी

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा के माध्यमिक (सेकेण्डरी) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिन्दी में अपने भावों को स्पष्टत: एवं शुद्ध-शुद्ध रूप में व्यक्त की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी।

अंको का विवरण निम्न प्रकार होगा:-

निबन्ध	-	30 अंक
व्याकरण	-	30 अंक
वाक्य विन्यास		- 25 अंक
संक्षेपण	-	15 अंक

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पेपर '' ।'' और पेपर ''॥'' के भाग के निम्नलिखित क्षेत्र होंगे:-

सामान्य अध्ययन -पेपर ।

(1) भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति।

(2) राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का वर्त्तमान घटना चक्र।

(3) सांख्यिकी विश्लेषण आरेखन और चित्रण।

पेपर -। में आधुनिक भारत (बिहार के विशेष सन्दर्भ में) के इतिहास और भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत लगभग उन्नसवीं शताब्दी के मध्य भाग से लेकर देश के इतिहास की रूप रेखा के साथ-साथ गाँधी, टैगोर और नहेरू से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

बिहार के आधुनिक इतिहास के संदर्भ में प्रश्न, इस क्षेत्र में बिहार की भूमिका (प्रौद्योगिकी शिक्षा समेत) के आरम्भ और विकास से पूछे जाएंगे। इसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका से संबंधित प्रश्न रहेंगे।

सामान्य अध्ययन -पेपर ।।

(1) भारतीय राज्य व्यवस्था

(2) भारतयी अर्थ व्यवस्था और भारत का भूगोल

(3) भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव

पेपर ।। भारतीय राज्य व्यवस्था से संबंधित खंड में भारत की तथा बिहार की राजनीतिक व्यवस्था से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे।

भारत के विकास में विज्ञान और प्रोद्योगिकी के महत्व और प्रभाव से संबंधित प्रश्न तीसरे खंड में ऐसे प्रश्न पूछे जाएँगे, जो भारत तथा बिहार मे ंविज्ञान ओर प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में उम्मीदवार की जानकारी की परीक्षा करे। इनमें प्रयोगिकी पक्ष पर बल दिय जाएगा।

निबंध - 300 अंक

ऐच्छिक विषय

टिप्पणी : ऐच्छिक विषयों का मानक लगभग वही होगा, जो पटना विश्वविद्यालय के तीन वर्षीय ऑनर्स परीक्षा का है।

ऐच्छिक विषय - 100 अंक

प्रत्येक अभ्यर्थी को निम्नांकित वैकल्पिक विषयों के विषय कोड - 04 से विषय कोड - 37 तक में से मात्र एक वैकल्पिक विषय का चयन करना होगा, जिसमें पूर्व के दोनों पत्रों के पाठ्यक्रम (**Syllabus**) को मिलाकर 100 अकों का मात्र एक ही प्रश्न-पत्र होगा जो कि **MCQ** पर आधारित होगा एवम् परीक्षा की अवधि 03 घंटे की होगी।

बिहार लोक सेवा आयेाग ने वैकल्पिक पेपर के लिए अलग-अलग विषयों के विकल्प दिए हैं। उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे एक वैकल्पिक पेपर को बुद्धिमानी से चुनें। वैकल्पिक प्रश्न पत्रों की सूची निम्नलिखित है।

विषय कोड	विषय	विषय कोड	विषय
4.	कृषि विज्ञान	21.	पशुपालन तथ पशु चिकित्सा विज्ञान
5.	मानव विज्ञान	22.	वनस्पति विज्ञान
6.	रसायन विज्ञान	23.	सिविल इंजीनियरिंग
7.	वाणिज्यिक शास्त्र तथा लेखा विधि	24.	अर्थ शास्त्र
8.	विद्युत इंजीनियरिंग	25.	भूगोल
9.	भू-विज्ञान	26.	इतिहास
10.	श्रम एंव समाज कल्याण	27.	विधि
11.	प्रबन्ध	28.	गणित
12.	यांत्रिक इंजीनियरिंग	29.	दर्शन शास्त्र
13.	भौतिकी	30.	राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
14.	मनोविज्ञान	31.	लोक प्रशासन
15.	समाज शास्त्र	32.	सांख्यिकी
16.	प्राणी विज्ञान	33.	हिन्दी भाषा और साहित्य
17.	अंग्रेजी भाषा और साहित्य	34.	उर्दू भाषा और साहित्य
18.	बंगला भाषा और साहित्य	35.	संस्कृत भाषा और साहित्य
19.	फारसी भाषा और साहित्य	36.	अरबी भाषा और साहित्य
20.	पाली भाषा और साहित्य	37.	मैथिली भाषा और सहित्य

व्यक्तित्व परीक्षण

- मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण 120 अंको का होगा।
- तदोपरांत मुख्य परीक्षा के 900 अंक एवम् साक्षात्कार के लिए 120 अंक; कुल 1020 अंकों के आधार पर मेधा सूची तैयार की जायेगी।
- आयेग सफल उम्मीदवार को उनमें से किसी भी सेवा या पद के लिए अनुशंसित करने का अधिकार रखता है, जिसके लिए उम्मीदवार ने इच्छा प्रकट की है तथा जिसके लिए आयोग उसे योग्य समझता है
- साक्षात्कार उम्मीदवार के व्यक्तित्व का आकलन करता है एवं एक अधिकारी जैसे गुणों की जाँच करता है।
- साक्षत्कार को ज्ञान परीक्षण के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।

बी.पी.एस.सी परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रारंभिक परीक्षा	150 अंक
मुख्य परीक्षा	900 अंक
अनिवार्य विषय	
सामान्य हिन्दी	
ऐच्छिक विषय	
सामान्य अध्ययन पेपर ।	300 अंक
सामान्य अध्ययन पेपर ।।	300 अंक
निंबध	300 अंक
साक्षात्कार	120 अंक
सम्पूर्ण अंक	1020 अंक

बी.पी.एस.सी पाठ्यक्रम